



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

अधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

29-7-86

सं. 20]
No. 20]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 25, 1986/भाद्र 3, 1908
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 25, 1986/BHADRA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 6

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

निर्देश सं. आई. ए. सी./एम्पू. 6/37-अ/एस्. आर.-3/11-85/1293.—अतः मुझे, एम. सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन, सहायक अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 1 है तथा जो ब्लाक नं.-8, करोल बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1985 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, व उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री अर्जन दास,
निवासी-2, पुसा रोड, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. मै. गितांजली प्रोपर्टिज (प्रा.) लि.,
55-बी, रामा रोड, नई दिल्ली,
द्वारा डायरेक्टर श्री सुभाष चन्दर कपूरिया, (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राज-यत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्यावर सम्पत्ति में हिलबल किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, प्रचो-हस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

प्रो. वैरिंग प्लॉट नं.-1, ब्लॉक नं.-8, डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली, तारामी-280 बगं गज,

तारीख 19-8-1986

जीहर :

एस. सी. गुप्ता, सक्षम अधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 6]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-6

New Delhi, the 19th August, 1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. IAC/Acq VI/37-G/SR. III/11-85/1293.—Whereas I, S.C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Block No. 8 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi. On November 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Avtar Singh S/o, Arjan Dass R/o, 2, Pusa Road, New Delhi.—Transferor

- (2) M/s. Geetanjali Properties Pvt. Ltd. 55-B, Rama Road, New Delhi through Director Shri Subhash Chander Kathuria.....Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property bearing Plot No. 1, Block No. 8, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 280 sq. yds.

S.C. GUPTA, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range VI)

Dated 19-8-1986.

Seal

